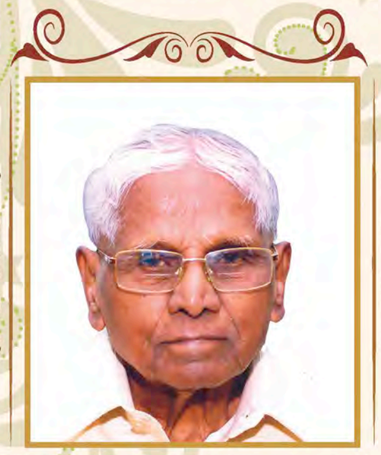

डॉ. टी.वी. नारायणा

Dr. T.V. Narayana



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. टी.वी. नारायणा

डॉ. टी.वी. नारायणा एक विशिष्ट शिक्षाविद् और प्रशासक तथा सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

2. आपका जन्म 26 जुलाई, 1925 को हुआ। आपकी आरंभिक शिक्षा आर्य समाज विद्यालय में हुई। सामाजिक रूप से उपेक्षित समुदाय का बच्चा होने के नाते अत्यधिक अवरोध का सामना करने के बावजूद आपने संघर्ष करके अपने अध्ययन को जारी रखा। आपने बी.ए. की डिग्री विशुद्ध गणित विषय में निजाम महाविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय से, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में निष्णात, तथा कर्नाटक विश्वविद्यालय से एम.एड. और 71 वर्ष की आयु में पी.एचडी. की डिग्री प्राप्त की। आपने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. और वर्ष 1986 में एल.एल.एम. पास किया। आपको ककतिया विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. ऑफ लेटर्स (ऑनोरिस काउजा) की डिग्री प्रदान की गई। आप आजीवन छात्र बने रहने की संकल्पना का अग्रणी उदाहरण हैं। आप एक दर्जन से अधिक महाविद्यालयों और संस्थानों से घनिष्ठता से जुड़े हुए हैं। आप ककतिया विश्वविद्यालय, पोटी श्री रामुलु तेलगु विश्वविद्यालय तथा केन्द्रीय ई एफ एल यू संस्थान की कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं। आप हिंदी कॉलेज के दक्षिण भारत से एकमात्र संस्थापक सदस्य हैं। आप इस समय महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नालगोंडा की कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं।

3. आपने उपनिषद और गीता के समर्पित छात्र के रूप में दार्शनिक विषयों पर व्यापक रूप से लेखन कार्य किया। आप आंध्र प्रदेश राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष तथा सर्वदेशिक सभा के उपाध्यक्ष रहे। आपकी अंग्रेजी में 'सेंड्स ऑफ टाइम' तथा 'अमारा वाकसुधा श्रवन्ति' से कविता के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा का पता चलता है। आपने वैदिक गीत पर कई पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

4. आप एक स्वतंत्रता सेनानी हैं। आपको हैदराबाद राज्य को भारत संघ में विलय किए जाने के संघर्ष के दौरान कैद में डाला गया था। आप उस्मानिया ग्रेजुएट एसोसिएशन के आजीवन सदस्य हैं। आप इकोनॉमिक कमेटी के सचिव तथा एक्जीबिशन सोसायटी के उपाध्यक्ष रहे। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। आप छह वर्षों तक आंध्र प्रदेश अनुसूचित जाति वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे। आप आंध्र प्रदेश की बंधु सेवा मंडली के संस्थापक रहे जो निम्नतम अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए कार्य करती हैं। आप भाग्यनगर खादी समिति के उपाध्यक्ष हैं।

5. आपको कई पुरस्कार, उपलब्धियां तथा प्रतिष्ठित नियुक्तियां मिली हैं। आपको भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा वैदिक विद्वान के रूप में सम्मानित किया गया। पोटी श्री रामालू तेलुगू विश्वविद्यालय ने आपको आध्यात्मिक लेखन के लिए 'धर्मनिधि पुरस्कार' प्रदान किया गया। आपके लेखन तथा अन्य पिछड़े वर्गों के प्रति आपकी सेवा के लिए आपको 'महात्मा ज्योतिराव फुले' पुरस्कार प्रदान किया गया। आंध्र प्रदेश सरकार ने आपको 'दलित रत्न' के पुरस्कार से सम्मानित किया। भारत के राष्ट्रपति ने आपको राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम के निदेशक तथा राष्ट्रीय सेंसर बोर्ड और नंदी पुरस्कार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया।

Dr. T.V. Narayana

Dr. T.V. Narayana is a distinguished academician and administrator and social activist.

2. Born on July 26, 1925, Dr Narayana had early education in Arya Samaj School. Despite facing formidable obstacle as a boy of a socially disadvantaged community, he struggled to continue his studies. He obtained B.A. with pure mathematics from Nizam College, Madras University; M.A. English Literature from Benaras Hindu University, M.Ed and P.hd from Karnataka University at the age of 71. He passed LL.B. and LL.M from Osmania University in the year 1986. He was conferred Degree, of Doctor of Letters (Honoris Causa) by Kakatiya University. He is a leading example of the c6ncept of lifelong studentship. He is closely associated with more than dozen colleges and institutions. He was Executive Council Member, Kakatiya University, Potti Sree Ramulu Telugu University and Central Institute of EFLU. He is a founder member of Hindi College the only one South India. He is presently Executive Council Member of Mahatma Gandhi University, Nalgonda.

3. Dr. T.V. Narayana, as a devout student of the Upanishads and the Gita, wrote widely on the philosophical subjects. He was the President of A.P. State Arya Pratinidhi Sabha and Vice President Sarvadeshik Sabha. His 'Sands of Time' in English and the 'Amara Vaksudha Sravanthi' reveal his gift of poetry. He has brought out many book on the vedic lore.

4. Dr. T.V. Narayana is a freedom fighter. He was imprisoned during the struggle for merger of Hyderabad State in to the Indian Union. He is a life member of Osmania Graduates Association. He was Secretary of the Economic Committee and Vice President of the Exhibition Society. .He is also a social activist. He was the Chairman of Andhra Pradesh Scheduled Castes Welfare Association for six years. He was the founder of Bandhu Seva Mandali of A.P., which serves the cause of welfare of lowest of the low schedule castes. He is the Vice-Chairman of Bhagyanagar Khadi Samithi.

5. Dr. Narayana has many awards, achievements and prestigious appointments. He was felicitated by the former president of India `Dr. Shankar Dayal Sharma', as a Vedic Scholar. The Potti Sree Ramulu Telugu University awarded him 'Dharma Nidhi Puraskar' for spiritual writings. The 'Mahatma Jyoti Rao Phule' award was conferred on him for his writings and service to the other backward classes Government of A.P. honoured him with the award of 'Dalit Ratna'. The President of India appointed him as Director of National Handloom Development Corporation and Member of National Censor Board and Nandi Awards Committee.